THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI DALBIR SINGH) : (a) Yes, Sir.

(b) The Commission will examine the problems, and determine & recommend programmes and strategies of urban development in the country. It will study demographic, employment, physical, fiscal, shelter, aesthetic and cultural aspects of urbanisation. The Composition of the Commission is given in the enclosed statement.

(c) The report has not been submitted by the Commission yet.

Statement

Composition of the National Commission on Urbanisation

1.	Shri Charles Correa	Chairman
2.	Shri M.N.Buch, Chairman, National Centre for Human Settlement & Environment.	Vice-Chairman
3.	Shri Paranoy Roy, Economic Adviser, Ministry of Finance, New Delhi.	Member
4.	Shri B.G. Fernandes, Planner	Member
5.	Shri Shiris Patel, Civil Engineer.	Member
6.	Shri Kirti Shah, Architect.	Member
7.	Dr. Rashmi Mayur, Director, Urban Development Institute,Bombay.	Member
8.	Shri Xerxes Desai, Tata Press Limited, Bombay.	Member
9.	Shri V.K. Pathak, Chief Planning Division, B.M.R.D.A. Bombay.	Member
10.	Shri Amit Sen, Indian Institute of Management, Calcutta.	Member

Report of panel of experts examining the safty of Dams

1567. SHRI D.B. CHANDRA GOWDA : Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state ;

(a) whether it is a fact that an independent panel of experts has suggested to the Central Government to examine the safety of dams after every decade

(b) if so, what is the reaction of Central Government thereto in this regard ;

(c) whether Central Government proposed to constitute a central team to visit the dams in different parts of the country to ensure the safety of dams ; and

(d) if so, by when and if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI B. SHANKARANAND) : (a) and (b) A report submitted by a Committee of experts is under consideration.

(c) and (d) On specific requests from the State Governments Central Water Commission sends a team to study the problem and suggest remedial measures.

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा विकसित खेतों के नये तरीके

1568. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद गंगा के दियारे में कृषि उपज

और खेती के नए तरीके आरम्भ करने हेतु कोई परियोजना शुरू करने का विचार रखती है ; और

(ख) यदि हां, तो उन परियोजनाओं के नाम क्या हैं और उन्हें किन-किन स्थानों पर आरम्भ किए जाने की संभावना है।

कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) (क) जी हां, श्रीमन् भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पहले से ही गंगा दियारा क्षेत्र में कई अनुसंधान प्रयोजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है। इन प्रायोजनाओं के माध्यम से सफलतापूर्वक फसल उत्पादन के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी के विकास हेतु खेत परीक्षण चलाये जा रहे हैं।

(ख) गंगा दियारा क्षेत्र में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद निम्नलिखित प्रायोजनाओं/योजना को कार्यान्वित कर रहा है :—

प्रायोजना का नाम	स्थान का नाम
I. राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा बिहार में प्रायोजानाएं :—	
(i) परिचालन अनुसंधान प्रायोजना . .	बिन्दा दियारा, कल्याण टोला
(ii) दियारा भूमि प्रायोजना का समन्वित केन्द्र . . .	बिहार कृषि महाविद्यालय सबौर (जिला भागलपुर)
(iii) राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रायोजना (दियारा तथा ताल)	—वही—
(iv) कृषि विज्ञान केन्द्र	मुंगेर
(v) मक्का सुधार प्रायोजना का समन्वित केन्द्र	बिहार कृषि महाविद्यालय सबौर
(vi) बिहार के दियारा क्षेत्र में खेती के लिए कुसुम पर अध्ययनों की तदर्थ योजना . .	—वही—
(II) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में प्रायोजना :	
(i) मक्का सुधार प्रायोजना का समन्वित केन्द्र	
(ii) तदर्थ योजना जिनका नाम है "पूर्वी उ०प्र० की दियारा भूमि के लिये वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी के विकास पर अध्ययन	